ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

1-10-2024

ब्राह्मण जीवन में कोई भी बात मुश्किल नहीं है, लेकिन अपने संस्कार, अपनी कमजोरियां मुश्किल के रूप में देखने में आती हैं। इसके लिए अपने को शमा पर इतने तक मिटाना है, जो कहते हो "मेरे संस्कार" यह मेरापन भी मिट जाये। नेचर भी बदल जाये। जब हरेक की नेचर बदलेगी तब ब्रह्मा बाप समान अव्यक्ति फीचर्स बनेंगे।

Transform old Sanskaras & Perform the dance of harmonizing sanskars

Nothing is difficult in Brahmin life, but one's own sanskars, one's own weaknesses are seen as difficult. For this, you have to immerse yourself in the flame to such an extent that even this sense of mine which you call "my sanskaar" should vanish. The nature should also change. When everyone's nature changes then they will develop Avyakti features like Father Brahma.